M.A. - I (Pali & Prakrit) (CBCS Pattern) Sem-I

MAPPCBCS103 - Vinaypitak Ani Pali Vyakaran

(विनयपिटक आणि पालि व्याकरण)

P. Pages : 4 **GUG/W/22/10268**

Time : Three Hours * 1 5 2 9 * Max. Marks : 80

सुचना :- 1. सर्व प्रश्न अनिवार्य आहेत.
सभी प्रश्न अनिवार्य है।
2. स्वीकृत माध्यमात उत्तरे लिहा.
स्वीकृत माध्यम में उत्तरे लिखिए।

1. अ) ससंदर्भ भाषांतर करा. **10**
ससंदर्भ अनुवाद किजिए।

अथ खो भगवा महता भिक्खुसंघेन सध्दिं येन नालंदा तदवसरि। तत्रं सुदं भगवा नालन्दाय विहरति पावारिकम्बवने। अथ खो आयस्मा सारिपुत्तो उपसङ्कमित्वा भगवन्तं अभिवादेत्वा एकमन्तं निसीदि। एकमन्तं निसिन्नो खो आयस्मा सारिपुत्तो भगवन्तं एतदवोच-' एवं पसन्नो अहं भन्ते। भगवति न चाहु न च भविस्जति न चेतरहि विज्जति अय्यो समणा वा ब्राह्मणो वा भगवता मिय्योमित्त्रतरो यदिदं सम्बोधियन्ति। 'उलारा खो ते अयं सारिपुत्त आसभावीचा भासिता, एकं सो गहितो सीहना दो नदितो- एवं पसन्नो अहं भन्ते। भगवति न चाहु न च भविस्सति न चेतरहि विज्जति, अय्यो समणो वा ब्राह्मणो वा भगवता मित्त्रोमित्त्रारो यदिदं सम्बोधियन्ति।

किंवा / अथवा

अथ खो भगवा रतिया पच्चुससमयं पच्चुठ्ठाय आयस्मन्तं आनन्दं आमन्तेसि-' को नु खो आनंद पाटलिगामे नगरं मापेतीति? 'सुनीधवस्सकारा भन्ते। मगधमहामत्ता पाटलिगामे नगरं मापेन्ति वज्जीनं पटिबाहायाति। सेय्यथापि आनन्द। देवे हि सावतिंसेहि सध्दिं भन्तेत्वा, एवमेव खो आनन्द सुनीधवस्सकारा मगधमहामत्ता पाटलिगामे नगरं मापेन्ति वज्जीनं पटिबाहाय। इधाहं आनन्द। अद्दसं दिब्बेन चक्खुना विसुध्देन अतिक्कन्तमानुसकेन सम्बहुला देवतायो सहस्सस्सेव पाटलिगामे वत्थुनि परिगण्हन्तियो। यस्मिं आनन्द। पदेसे महेसक्खा देवता वत्यूनि परिगण्हन्ति महेसक्खानं तत्थ रत्त्रं राज-महामत्तानं चित्तानि नमन्ति निवेसनानि मापेतुं।

ब) 'सत्त अपरिहानिया धम्मा' स्पष्ट करा. **6**
'सत्त अपरिहानिया धम्मा' स्पष्ट किजिए।

किंवा / अथवा

'सीलानिसंसा' विस्तारपूर्वक सांगा.
'सीलानिसंसा' विस्तारपूर्वक बताईए।

2. अ) ससंदर्भ भाषांतर करा. **10**

ससंदर्भ अनुवाद किजिए।

अथ खो भगवा आयस्मन्तं आनन्दं आमन्तेसि- "आयामानन्द। येन कोटिगामो, तेनुपसङ्कमिस्सामा' ति 'एवं भन्ते' ति खो आयस्मा आनन्दो भगवतो पच्चस्सोसि। अथ खो भगवा महता भिक्खुसंघेन सध्दिं येन कोटिगामे, तदवसरि। तत्र सुदं भगवा कोटिगामे विहरति। तत्र खो भगवा भिक्खू आमन्तेसि 'चतुन्नं भिक्खवे'। अरियसच्चानं अननुबोधा अप्पटिवेधा एंवमिदं दीघमध्दानं सन्धावितं संसरितं ममञ्चेव तुम्हाकञ्च। कतमेसं चतुन्नं? दुक्खस्स भिक्खवे। अरियसच्चस्स अननुबोधा अप्पटिवेधा एवमिंद दीघमध्दानं सन्धावितं संसरितं ममञ्चेव तुम्हाकञ्च।

किंवा / अथवा

कथञ्च भिक्खवे। भिक्खु सम्पजानो होति? इध भिक्खवे। भिक्खु अभिक्कन्ते पटिक्कन्ते सम्पजानकारी होति। आलोकिते विलोकिते सम्पजानकारी होति सामीज्जिते पसारिते सम्पजानकारी होति। संघाटिपत्तचीवरधारणे सम्पजानकारी होती। असिते पीते खायिते सायिते सम्पजानकारा होति। उच्चारपस्सावकम्मे सम्पजानकारी होति। गतेठिते निसिन्ने सुत्ते जागरिते भासिते तुण्हीभावे सम्पजानकारी होति। एवं खो भिक्खवे। भिक्खु सम्पजानो होति। सतो भिक्खवे। भिक्खु विहरेय्य सम्पजानो । अयं वो अम्हाकं अनुसासनी' ति। अस्सोसि खो अम्बपालिगणिका भगवा किर वेसालिं अनुप्पत्तो वेसालियं विहरति मञ्हं अम्बबने ति।

ब) 'वेलुगामे वस्सावासो' विस्ताराने लिहा. **6**

'वेलुगामे वस्सावासों विस्तार से लिखिए।

किंवा / अथवा

'खरो आबाधो' स्पष्ट करा.

'खरो आबाधो' स्पष्ट किजिए।

3. अ) ससंदर्भ भाषांतर करा. **10**

ससंदर्भ अनुवाद किजिए।

अथ खो भगवा सत्ताहस्स अच्चयेन तम्हा समाधिम्हा वुट्ठहित्वा राजायतनमूला येन अजपालनिग्रोधो तेनुपसङ्कमि। तयं सुंद भगवा अजपालनिग्रोधमूले विहरति। अथ खो भगवतो रहोगतस्सं पटिसल्लीनस्स एवं चेतसो परिवितक्को उदपादि- "अधिगतो। खो ग्यायं धम्मो गम्भीरो दुद्दसो दुरनुबोधो सन्तो पणीतो अतक्कावचरो निपुणो पाण्डितवेदनीयो। आलयरामा खो पनायं पजा आलयरताय आलयसम्मुदिता। आलयरामाय खो पन पजाय आलयरताय आलयसम्मुदिताय दुद्दसं इदं ठानं यदिदं इदप्पच्चयतापटिच्चसमुप्पादो इदं पि खो ठानं सुदुद्दसं सब्बसङ्खारसमयो सब्बूपधित्पटिनिस्सगो तण्ह-क्खयो विरागो निरोधो निब्बानं।

किंवा / अथवा

अथ खो भगवा सत्ताहस्स अच्चयेन तम्हा समाधिम्हा वुट्ठहित्वा मुचलिन्दमुला येन राजायतनं तेनुपसङ्कमि उपसङ्कमित्वा राजायतनमुले सत्ताहं एकपल्लक्केन निसीदि वियुत्ति सुखपटिसंवेदि। तेनखोपन समयेन तपुस्समल्लिका वाणिजा उक्कला तं देसं अध्दानमग्ग प्पटिपन्ना होन्ति। अथ खो तपुस्समल्लिकानं वाणिजानं यातिसालोहिता देवता तपुस्समल्लिके वाणिजे एतदवोच 'अयं, मारिसा भगवा राजायतनमूले विहरति पठमामि सम्बुध्दो गच्छय तं भगवन्तं भज्येनच मधुपिण्डिकाय च पतिमानेय तं वो भविस्सति दीघरत्तं हितायसुखाया 'ति। अथ खो तपुस्समल्लिका वाणिजा मन्य च मधुपिण्डिकं च आदाय येन भगवा सेनुपसडकमिंसु उपसडकमित्वा भगवन्तं अभिवादेत्वा एकमन्तं अट्ठंसु।

ब) बोधिकथेचा सारांश लिहा. **6**
बोधिकथा का सार लिखिए।

किंवा / अथवा

मुचलिन्द कथेचा सारांश लिहा.
मुचलिन्द कथा का सार लिखिए।

4. अ) तिन्ही काळाची रुपे लिहा **कोणतेही दोन** **10**
तिन्हीं काल की रुप लिखिए **कोई भी दो**।

कर, पच, गम, लिख, वद

ब) भविष्यकाळातील धातुची प्रत्येय लावा **कोणतेही दोन** **6**
भविष्यकाल के धातुके प्रत्यय लागाए **कोई भी दो**।

नम, लिख, हिंस, सु

5. अ) टिपणे लिहा **कोणतेही दोन** **6**
टिप्पणियाँ लिखिए **कोई भी दो**।

1) अजपालकथा 2) विनयपिटक
3) दीघनिकाय 4) आम्रपालि

ब) पर्यायी उत्तरे लिहा. **10**
पर्यायी उत्तर लिखिए।

1) अजातशत्रूला कोणाला जिंकायचे होते.
अजातशत्रू को किसे जितना था।
अ) मगध ब) अंग
क) अवंति ड) वैशाली

2) राजगृहात कोणत्या पर्वतावर बुध्द होते.
राजगृह के किस पर्वतपर बुध्द थे।
अ) गृध्दकूट ब) गिरीशिखर
क) गिरिब्बजा ड) हिमालय

3) लिच्छवीकूमार कोणाला हारवते।
लिच्छवीकूमार किसको हारे थे।
अ) तथागत ब) अजाशत्रू
क) आम्रपाली ड) बिंबिसार

4) वज्जीयांना तथागंतानी किती नियम सांगितले होते.
वज्जीयोंको तथागत ने कितने नियम बतलाए थे।
अ) 06 ब) 07
क) 08 ड) 09

5) तपस्सूभल्लिक कोणाला शरण गेलेत
तपस्सूभल्लिक किस को शरण गये थे।
अ) बुध्द ब) बुध्द-धम्म
क) बुध्दधम्मसंघ ड) ईश्वर

6) 'प्रतित्यसमुत्पाद' कोणत्या कथेत येतो.
'प्रतित्यसमुत्पाद' किस कथा में आता है।
अ) बोधिकथा ब) अजपालकथा
क) राजायतनकथा ड) सम्बोधिकथा

7) पालित किती काळ आहेत.
पालि में काल कितने है।
अ) 01 ब) 02
क) 03 ड) 04

8) 'खादिस्सामि' कोणता काळ आहे.
'खादिस्सामि' कौनसा काल है।
अ) भूतकाळ ब) भविष्यकाळ
क) वर्तमानकाळ ड) यापैकी नाही

9) मुचलिन्द कथा कूठे येते
मुचलिन्द कथा कहाँ आती है।
अ) विनयपिटक ब) सुत्तपिटक
क) जातक ड) सुत्तनिपात

10) महापरिनिब्बाण सुत्तं कोणत्या निकायात येते
महापरिनिब्बाण सुत्तं किस निकाय में आता है।
अ) मज्झिमनिकाय ब) अंगुत्तरनिकाय
क) दीघनिकाय ड) सयुंत्तनिकाय

****